क्रिस्टल के उपयोग

विश्व के सभी पढ़ार्थों का अपना-अपना महत्व व उपयोग है। पढ़ार्थ की प्रकृति व गुण के अनुसार उनके उपयोग साधारण या महत्वपूर्ण होते हैं। सर्वत्र बहुत बड़ी मात्रा में उपलब्ध पत्थरों ने भी विभिन्न रूपों में अपनी उपयोगिता प्रमाणित की है। आदिकालीन मनुष्य ने उन्हें पशुओं के शिकार व हथियार बनाने के लिए प्रयुक्त किया। धीरे-धीरे उसने मकान बनाने में इनका उपयोग शुरु किया। मानव सभ्यता के विकास व प्रगति की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण तथ्य रहा। कालान्तर में उसे कुछ विशिष्ट व मूल्यवान पत्थर प्राप्त हुए जो रहस्यमयी शक्तियों व ऊर्जाओं से सम्पन्न थे। क्रिस्टल ने मनुष्य को इतिहास तथा गहरे अतीत की बातों की समीक्षा व उन्हें समझने में सहायता की है। ध्यान, उपचार तथा अंत:प्रज्ञा के विकास के लिए क्रिस्टल्स का उपयोग किया जा सकता है।

समूचे विश्व में क्रिस्टल्स का विभिन्न प्रकार से उपयोग किया जाता है। कुछ सामान्य उपयोग इस प्रकार हैं:-

(1) आभूषणों में

सौंदर्य वृद्धि के अतिरिक्त मानसिक शुद्धि, भावनात्मक दृढ़ता व शारीरिक संतुलन के लिए भी क्रिस्टल को धारण किया जा सकता है या उनके आभूषण पहिने जा सकते हैं। क्रिस्टल की उपचारात्मक शक्तियों के प्रयोग के लिए उन्हें धारण करना सर्वाधिक प्रभावी विधा है।

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

प्रेम और करुणा जगाने के लिए वक्षस्थल से सटा हार पहनकर हृदय चक्र को अनुप्राणित किया जा सकता है। कान में पहनने पर वे शरीर के प्रतिवर्तक बिन्दुओं (रिफ्लेक्स पॉइण्ट्स) को अनुप्राणित करते हैं जो शरीर के अन्य भागों को भी प्रभावित करते हैं। पहले जमाने में नर्तकियाँ मोहकता वृद्धि के लिए नाभिप्रदेश में गहरे लाल रंग के रत्न या लाल मणि/माणिक पहनती थीं। राजा और सम्राट पवित्र मणियों जड़े मुकुट धारण करते थे, जिनसे उन्हें अपनी प्रजा पर न्याय और बुद्धिमत्तापूर्वक शासन करने में सहायता मिलती थी। इनके अतिरिक्त भी विश्व की विभिन्न सभ्यताओं द्वारा आभूषणों में क्रिस्टल का प्रयोग प्रचलन में था। इनका विश्वास था कि क्रिस्टल की ऊर्जाएं मनुष्य के विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र से मिल जाती हैं क्रिस्टल के रंगों के माध्यम से प्रदर्शित उनकी तीव्रता से मानसिक व भावनात्मक तनाव को हटाया या प्रभावहीन किया जा सकता है।

सौन्दर्य वृद्धि के उद्देश्य के अतिरिक्त इस प्रकार के आभूषणों का निर्माण भी संभव है जिनसे क्रिस्टलों के उपचार समर्थ गुणों व अन्य विशिष्ट क्षमताओं का उपयोग किया जा सके। इस तरह से डिजाइन किए गए आभूषण, पहनने वाले के व्यक्तिगत शक्तिस्रोत बन जाते हैं जिनसे उसे चेतना के एक निश्चित स्तर तथा विशिष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता मिलती है।

(2) उपचार में

उपचार की दृष्टि से यदि क्रिस्टल को निर्देशानुसार पास रखना या पहिनना संभव न हो तो उनके रंगों की तीव्रता, कम्पन शक्ति या क्रिस्टलीय जल जैसे अन्य औषधीय उपचारों का लाभ लिया जा सकता है। ये औषधियाँ आसानी से बनाई जा सकती हैं और लागत भी अधिक नहीं आती। इन्हें बनाने में विशेष समय भी नहीं लगता।

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore ☎: 0731-4076612, 4076613, www.ivaindia.com

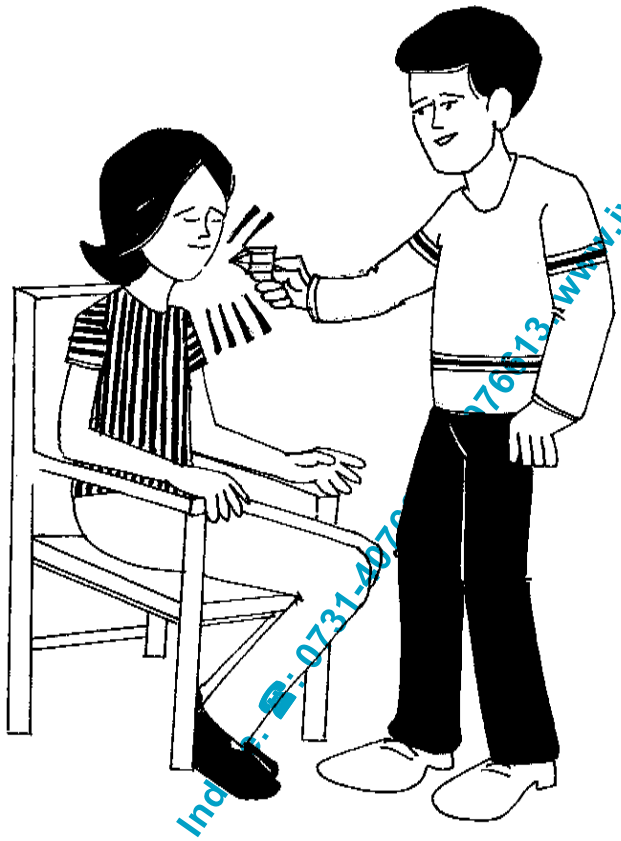

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4070731, 9826476613, www.ivaindia.com

औषधीय उपचारों के लिए क्लियर क्वार्ट्ज, नीलमणि, गुलाबी क्वार्ट्ज, नींबुई, धुवारंगी क्वार्ट्ज जैसे बहुरंगी क्वार्ट्ज बहुत उपयुक्त होते हैं। ये क्वार्ट्ज प्रकाश व रंगों के अधिक अनुकूल होते हैं जो कि क्रिस्टल औषधियों के प्रभावी उपयोग के लिए आवश्यक होते हैं।

(3) उपहार में

क्रिस्टल व नग उपहार देने के लिए सर्वश्रेष्ठ वस्तुएं हैं। प्रेम व प्यार में दिए गए ये उपहार आपकी भावनाओं को सुन्दर अभिव्यक्ति देते हैं। प्रेम व स्नेह के प्रतीक ये

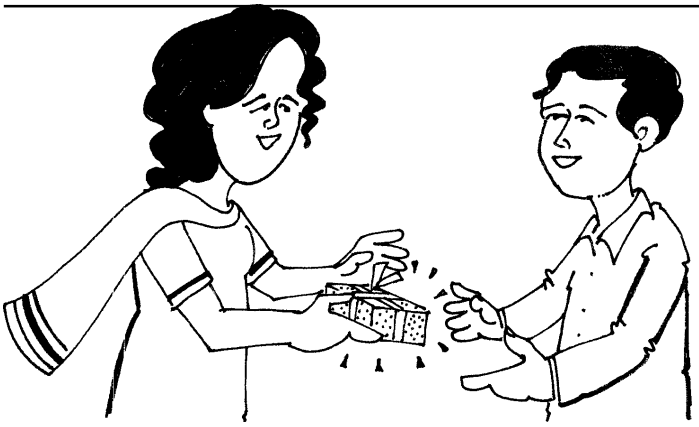

क्रिस्टल उपचार के लिए भी प्रयुक्त किए जा सकते हैं। दरअसल इन्हें उपचार शक्ति से सम्पन्न किया जाता है ताकि ये मात्र प्रदर्शन की वस्तु बनकर न रह जाएँ। अपने सौन्दर्य एवं आकर्षण के चलते मनुष्य इनसे भावनात्मक रूप से जुड़ ही जाता है।

(4) प्रौद्योगिकी (टेक्नॉलाजी) में

क्रिस्टल प्रौद्योगिक उन्नति के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कृत्रिम सिलिकॉन चिप को हीरे के धारदार किनारे से काटा व छेदा जाता है। क्रिस्टलीय सिलिकॉन चिप की खोज पिछली सदी की अनोखी व महत्वपूर्ण खोज साबित हुई है, अत: वैज्ञानिक प्रगति की दृष्टि से क्रिस्टल्स की भूमिका बहुत मूल्यवान है। क्रिस्टल आधारित उद्योगों ने रोजगार और प्रगति के नए रास्ते खोले हैं। क्रिस्टल की वजह से भारी भरकम मशीनों को बहुत छोटे रूप में बदलना संभव हो सका है। मशीनों की अधिकतम मदें आसानी से उपलब्ध भी हैं और कीमतें भी कम हैं।

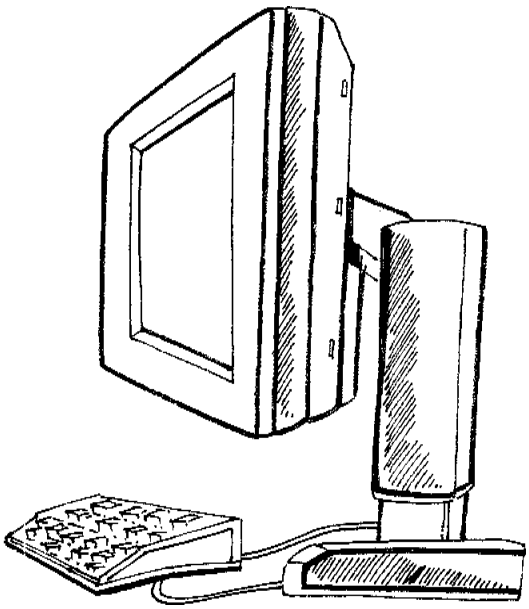

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613 www.ivaindia.com

(5) आध्यात्मिक विकास में

किसी भी क्रिस्टल या उपचार साधन को उनके विशिष्ट गुणों को आत्मसात कर ध्यान के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है । इन्हें ध्यान में स्थिरता के लिए तथा एकाग्रता के लिए प्रतीकात्मक पदार्थ की तरह प्रयुक्त किया जा सकता है । संतुलन व स्पष्टता के लिए उन्हें शरीर के विभिन्न चक्रों पर भी रखा जा सकता है । आपको एकाध ऐसा क्रिस्टल भी मिल सकता है जो ध्यान को गहन व सशक्त बनाने के लिए विशेष रूप से लाभदायक हो । क्रिस्टल ऊर्जा की वास्तविकता को इस तरह के प्रयोगों से अच्छी तरह अनुभव किया जा सकता है ।

(6) प्रोग्रामिंग में

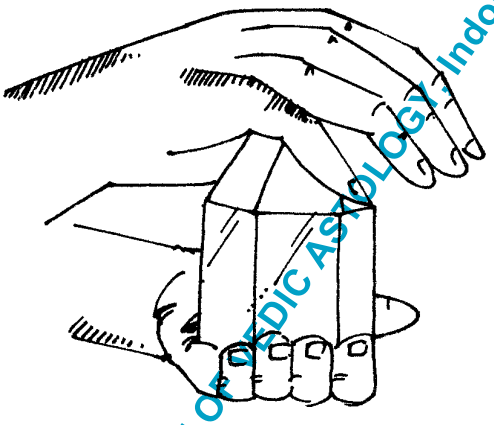

ध्यान से संबंधित उपयोगों के लिए क्लियर क्वार्ट्ज को प्रोग्राम किया जा सकता है । इसके लिए कोई विचार उसमें संप्रेषित करें व ध्यान के दौरान उसे हाथ में रखे रहें । उदाहरणार्थ यदि आपको आगामी परीक्षा या साक्षात्कार को लेकर कुछ चिन्ता हो रही हो क्लियर क्वार्ट्ज क्रिस्टल के नुकीले छोर को तीसरे नेत्र केन्द्र के सम्मुख रखकर स्वयं की पूर्णत: शान्त, सुरक्षित व आत्मविश्वास युक्त छवि ध्यान में लानी चाहिए । आपने आपको स्वत:स्फूर्त विश्वास के साथ परिस्थिति का सामना करते देखें । इस विचार को क्रिस्टल के समक्ष प्रस्तुत करें तथा शांतचित्त होकर उसे हाथ में लेकर

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

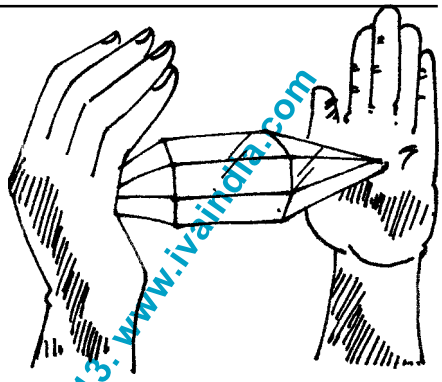

बैठें। जिस सकारात्मक कल्पना की आपने रचना की है उसे बार-बार ध्यान में लाएं। शीघ्र ही आपकी कल्पना आपको वास्तविक लगने लगेगी और कुछ ही मिनटों में आपकी चिन्ता दूर हो जाएगी। क्रिस्टल आपका मित्र व सहायक सिद्ध होगा व इस परिदृश्य को तब तक आपके सम्मुख लाता रहेगा जब तक आप पूर्णत: बेहतर न महसूस करने लगें। इसके अलावा क्रिस्टल ध्यान व प्रोग्रामिंग के जरिए आप अपने स्नेहीजनों को संदेश भी प्रेषित कर सकते हैं। मानसिक दृढ़ता व समस्याप्रद परिस्थितियों के समाधान आदि के लिए इस प्रोग्रामिंग का लाभ लिया जा सकता है।

आप अपने अन्दर व अन्य जीवधारियों में शांति व सामंजस्य का अनुभव कर सकते हैं। आप अपने आपको एक वैश्विक ध्वन्यात्मकता या गूँज में परिवर्तित कर उसके साथ पूर्णत: एकात्म होकर अपने दिल की धड़कनों को महसूस कर सकते हैं।

(7) चिकित्सा

जीवों को कई प्रकार के शारीरिक व मानसिक विकारों का सामना करना पड़ता है। मनुष्य ने इन विकारों के लिए कई प्रकार की चिकित्सा व सावधानियाँ ढूँढ ली हैं। चिकित्सा या सुरक्षात्मक उपायों के रूप में क्रिस्टल का उपयोग निम्न रूपों में किया जाता है :

(क) क्रिस्टल भस्म (क्रिस्टल को जलाकर)

(ख) क्रिस्टलीय जल (जल को क्रिस्टल द्वारा आवेशित करना)

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore 0731-4076612, 4076613, www.ivaindia.com

(ग) क्रिस्टल पिष्टी (क्रिस्टल का चूर्ण)

भेषज या औषधियों के लिए क्रिस्टल्स का प्रयोग भारतीय चिकित्सा पद्धति ''आयुर्वेद'' व ग्रीक चिकित्सा पद्धति ''हिकमत'' (सामान्यतया ''यूनानी'' चिकित्सा के नाम से जानी जाने वाली) दोनों पद्धतियों में किया जाता है। यद्यपि दोनों पद्धतियों में इनका प्रयोग किया जाता है परन्तु प्रयोग की विधा में कुछ अन्तर है।

आयुर्वेद में क्रिस्टल को ''भस्म'' व ''पिष्टी'' दोनों रूपों में प्रयुक्त किया जाता है। क्रिस्टल को ऊँचे तापमान पर जलाकर उसकी भस्म तैयार की जाती है। इस भस्म को मुँह से खाने वाली औषधि या ऊपर से लगायी जाने वाली दवा दोनों ही रूप में प्रयुक्त किया जाता है। पिष्टी के लिए क्रिस्टल को पीसकर उनका चूरा बनाया जाता है।

''हिकमत'' में भस्म की अवधारणा नहीं है क्योंकि यूनानी चिकित्सा शास्त्रियों का मत यह रहा कि जलाए जाने पर क्रिस्टल के कई प्रभावी आणविक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore Ph.: 0731-4076612, 4076613. www.ivaindia.com

(8) भविष्य कथन के लिए

भविष्य कथन के लिए क्रिस्टल्स का उपयोग आज भी हो रहा है। लोग किसी क्रिस्टल की ओर ध्यानपूर्वक देखकर या क्रिस्टल को अपने माथे के साथ रखकर स्वयं क्रियाशील होते हुए दूसरों का भविष्य बतलाते हैं। इसमें क्वार्ट्ज या बिल्लौर का प्रयोग बहुधा किया जाता है।

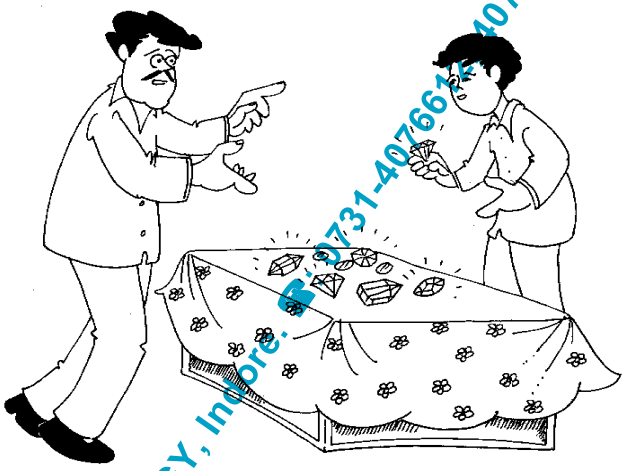

(9) वास्तु में प्रयोग

भारतीय शिल्प शास्त्र ''वास्तु'' में क्रिस्टल के कई उपयोग बतलाए गए हैं। वास्तु ने क्रिस्टल की शक्तियों व ऊर्जाओं को विशिष्ट मान्यता दी है तथा भवन निर्माण के दौरान या निर्माण के बाद क्रिस्टल्स के लाभप्रद प्रयोगों की विस्तृत चर्चा की है। भवन निर्माण की प्रारंभिक प्रक्रिया में धरती के अन्दर ''पंचरत्न'' स्थापित किया जाना एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्कार होता है। निर्माण कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पाँच पवित्र रत्नों को प्रस्तावित भवन की ईशान दिशा में धरती के अन्दर स्थापित कर भवन के स्वामी

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore. 0731-4076161, 4076613. www.ivaindia.com

व उपयोग करने वालों के कल्याण की कामना की जाती है। घरों में रखे जाने पर क्रिस्टल अपने विशिष्ट गुणानुसार कई प्रकार से लाभप्रद सिद्ध होते हैं। उदाहरणार्थ लालमणि या माणिक (रूबी) घर को कीड़े मकोड़े व कृमि कीटों से सुरक्षित रखता है। काला टरमलिन प्रवेश द्वार पर रखकर आसुरी शक्तियों या दुष्टात्माओं के प्रवेश को रोका जाता है। नवग्रहों के प्रतीक नौ मूल्यवान रत्नों का विधिपूर्वक प्रयोग कर भवन स्वामी व भवन का उपयोग करने वालों के लिए विशिष्ट लाभ अर्जित किए जाते हैं।

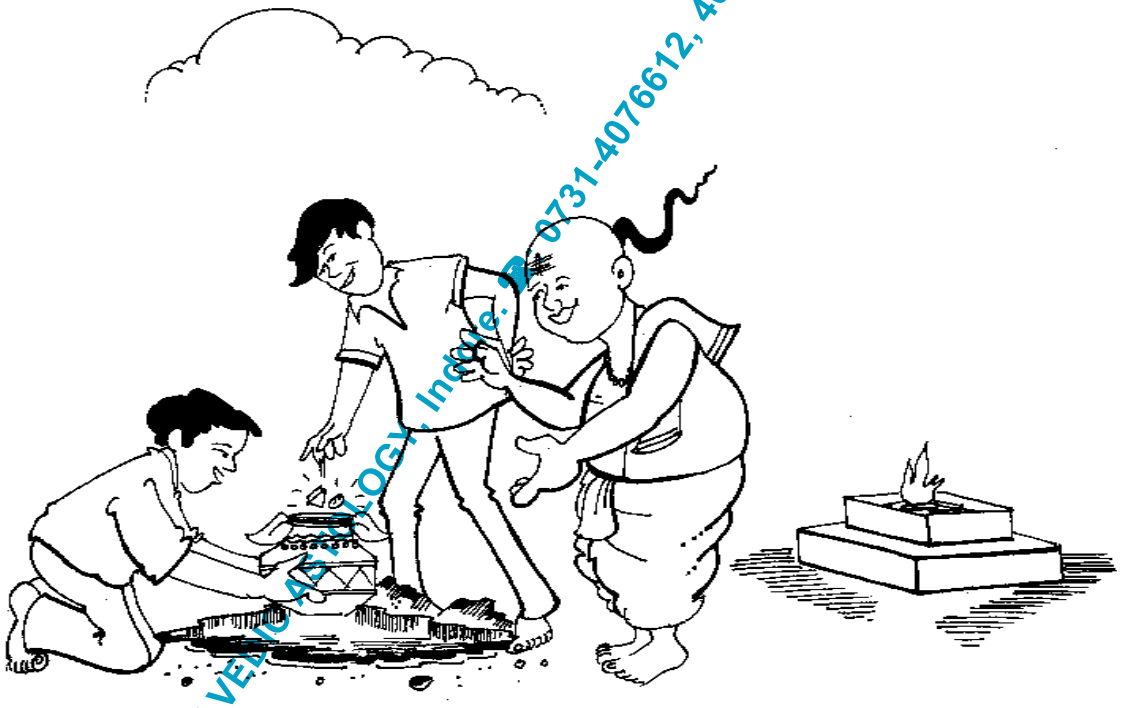

(10) फेंगशुई में प्रयोग

वास्तु के अतिरिक्त फेंगशुई में भी क्रिस्टल का बहुत महत्व है। फेंगशुई चीन का प्राचीन शास्त्र है। इस शास्त्र की मान्यता है कि घर में रखी गई वस्तुओं को निर्धारित

INSTITUTE OF VEDIC ASTROLOGY, Indore. ☎ 0731-4076612, 4076613 www.ivindia.com

स्थल पर रखकर विशिष्ट लाभ लिए जा सकते हैं। वस्तुओं का स्थान शास्त्र सम्मत न होने पर विभिन्न प्रकार की हानियाँ व असुविधाएँ होती हैं। फेंगशुई का अर्थ है ''वायु व जल'' जिसके माध्यम से मनुष्य व प्रकृति के बीच समन्वय स्थापित करने के प्राचीन चीनी सिद्धान्तों को बतलाया गया है। इन सिद्धान्तों के पालन से स्वास्थ्य, समृद्धि व भाग्य की प्राप्ति होती है। किसी घर या कक्ष को क्रिस्टल की ऊर्जा का लाभ देना हो तो इस जगह के नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम),वायव्य (पश्चिमोत्तर) या मध्य भाग में क्रिस्टल की स्थापना की जाती है। क्लियर क्वार्ट्ज़ क्रिस्टल को खिड़की पर लटका देने से कमरा स्वास्थ्यप्रद ऊर्जा से भर जाता है।

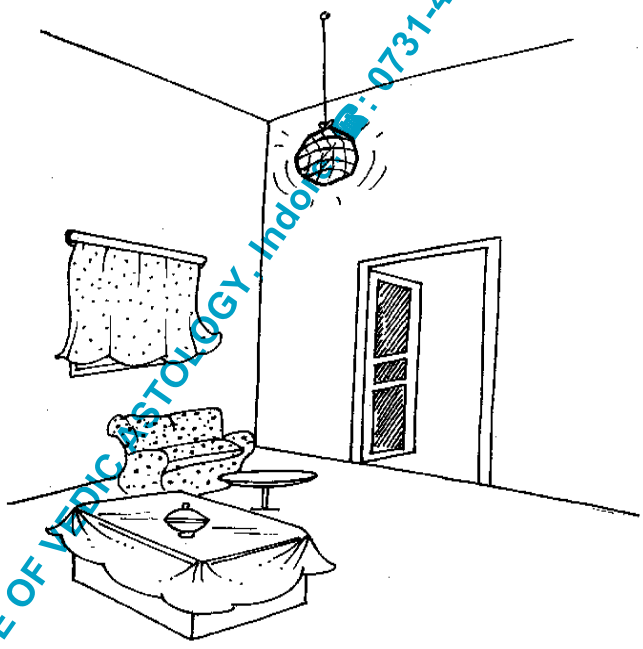

INSTITUTE OF VEDIC ASTOLOGY, Indore Ph.: 0731-4076612, 4076613, www.ivaindia.com